

# Shri Jhulelal Aarti

ॐ जय दूलह देवा,  
साईं जय दूलह देवा ।  
पूजा कनि था प्रेमी,  
सिदुक रखी सेवा ॥

तुहिंजे दर दे केई,  
सजण अचनि सवाली ।  
दान वठन सभु दिलि,  
सां कोन दिठुभ खाली ॥  
॥ ॐ जय दूलह देवा... ॥

अंधड़नि खे दिनव,  
अखडियूं - दुखियनि खे दारुं ।  
पाए मन जूं मुरादूं,  
सेवक कनि थारु ॥  
॥ ॐ जय दूलह देवा... ॥

फल फूलमेवा सब्जिऊ,  
पोखनि मंझि पचिन ।  
तुहिजे महिर मयासा अन्न,  
बि आपर अपार थियनी ॥  
॥ ॐ जय दूलह देवा... ॥

ज्योति जगे थी जगु में,  
लाल तुहिंजी लाली ।  
अमरलाल अचु मूं वटी,  
हे विश्व संदा वाली ॥  
॥ ॐ जय दूलह देवा... ॥

जगु जा जीव सभेई,  
पाणिअ बिन प्यास ।  
जेठानंद आनंद कर,  
पूरन करियो आशा ॥

ॐ जय दूलह देवा,  
साई जय दूलह देवा ।  
पूजा कनि था प्रेमी,  
सिदुक रखी सेवा ॥

InstaVASTR